सम्पादकीय.....

राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की की वार्षिक हिन्दी पत्रिका **"प्रवाहिनी"** का 15वाँ अंक पाठकों के समक्ष प्रस्तुत है। निदेशक महोदय के प्रोत्साहन, लेखकों के सहयोग तथा आप सभी के समन्वित प्रयासों का प्रतीक यह 15वाँ अंक आपको समर्पित है। इस पत्रिका के प्रकाशन में संस्थान तथा संस्थानेतर व्यक्तियों ने वैज्ञानिक, तकनीकी एवं अन्य विविध विधाओं पर अपने लेखों का योगदान देकर राजभाषा हिन्दी का मान-सम्मान तथा गौरव बढ़ाया है। हम, इन सभी प्रबुद्ध लेखकों का सहृदय आभार प्रकट करते हुए उन्हें अपनी हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

हमें विश्वास है कि **"प्रवाहिनी"** का यह अंक पाठकों को रोचक तथा उपयोगी लगेगा। भविष्य में प्रवाहिनी पत्रिका को और भी रोचक बनाने के लिए आपके सुझाव सादर आमंत्रित हैं।

संपादक मंडल